# दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
## गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in


दिनांक : 02.03.2021

## समाचार स्वरुप प्रकाशनार्थ

दिनांक 12.04.2021 गोरखपुर। उक्त कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ पी एन सिंह,विशेषज्ञ नाक,कान,गला, बाबा राघवदास मेडिकल कॉलेज गोरखपुर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षण संस्थाओं में विदाई व्यक्ति को एक कदम आगे ले जाती है।जिसमे संयम, अनुशासन एवं समय प्रबंधन का महत्वपूर्ण योगदान होता है। व्यक्ति के आत्म विकास में एक विद्यार्थी को अपनी रुचि के अनुसार लक्ष्य का चयन करना आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने वैश्विक महामारी कोविड 19 के संक्रमण एवं उसके बचाव पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि ''कोविड महामारी से 70–80 प्रतिशत बचाव मास्क का प्रयोग व सोशल डिस्टेंस का पालन कर किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि यदि किसी व्यक्ति को यदि गंधहीनता,स्वाद हीनता ज्वर एवं खांसी जैसे लक्षण दिखे तो स्वयं को आइसोलेट करते हुए निर्धारित उपचारात्मक दवा लेते रहना चाहिए। इसके साथ ही घरेलू उपचार व रोग प्रतिरोधक क्षमता की वृद्धि हेतु सतत प्रयत्नशील रहा चाहिए। जिससे बंद नाक तथा कई छोटी नशे खुल जाती है। उदाहरणार्थ कपूर तथा अजवाइन की मिश्रित पोटली बनाकर सूंघने से आक्सीजन की मात्रा संतुलित हो जाती है।

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के छात्र परिषद के द्वारा बी.ए. प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने बी.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को विदाई दी जिसमे सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं **''वैश्विक महामारी के रूप में कोरोना एक चुनौती''** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामना देते हुए कहा कि आप जहाँ भी रहें महाविद्यालय के संस्कार व विचार को जीने का प्रयास करें। कार्यक्रम का संचालन बीए द्वितीय वर्ष का छात्र नीरज कुमार मिश्र व आभार ज्ञापन विभाग के प्रभारी डॉ आर. पी. यादव ने की। उक्त अवसर पर विभागीय शिक्षक श्री विकास पाठक व अन्य शिक्षक डॉ सुनील कुमार सिंह,डॉ अखण्ड प्रताप सिंह व विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना जनसम्पर्क